वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-2463380
फैक्स : 0755-2461703
ईमेल:eklavyamp@vsnl.com

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
website : www.srote.com

अंक 174
जुलाई 2003

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

खाना पकाने का महत्व
15

12
रेत में डूब गया था पूरा नगर

मां की तुतलाहट बच्चों को ज़्यादा समझ आती है
12
28

मछलियां और बिजली के झटके
विज्ञान की बिक्री : पी. बालाराम 2
क्या अतीत में हम नरभक्षी थे? : डी. बालसुब्रमण्यन 5
मलेरिया की रोकथाम मछली के भरोसे : डॉ. मनीष वैद्य 8
सामुदायिक रेडियो स्टेशन की दिक्कतें : फ्रेडरिक नरोन्हा 9
रेत में डूब गया था पूरा नगर : बिमल श्रीवास्तव 12
मानव विकास में खाना पकाने का महत्व 15
मवेशी मछली खाएं, तो मीथेन कम छोड़ते हैं 16
राष्ट्र की ज्वलंत समस्या पसीने की बदबू : डॉ. सुशील जोशी 17
वायरसों के साथ सह अस्तित्व : पी. बालाराम 20
'चीज़' बड़ी है मस्त-मस्त : बिमल श्रीवास्तव 22
स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है एल्युमिनियम : डॉ. दिनेश मणि 24
सवा तीन लाख साल पुराने मानव पदचिन्ह 27
एक केंकड़े के लिए चींटियों की बलि 27
मां की तुतलाहट बच्चों को ज़्यादा समझ आती है 28
गुरुत्व तरंगें फिलहाल तो नहीं मिलीं 29
युद्ध के बाद इराक का पर्यावरण 30
जैव रसायन की शुरुआत : टी. रामशर्मा 31
कड़वे घूंट पीने में मददगार रसायन 34
छप गई है ज़िन्दगी की किताब 35
गर्म चट्टानों से ऊर्जा 36
स्टेम कोशिकाओं का एक नया स्रोत 37
औजार बनाने वाले कौए 38
परखनली शिशु, क्लोन और उसके आगे 39
नागफनी का पौधा
आकाश दर्शन

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।